

ये अव्यक्त इशारे

सन्तुष्टमणि बन सदा सन्तुष्ट रहो और सबको सन्तुष्ट करो

**5-12-2024**

जिस आत्मा को सर्व प्राप्तियों की अनुभूति होगी, वह सदा सन्तुष्ट होगी। उसके चेहरे पर सदा प्रसन्नता की निशानी दिखाई देगी। सेवाधारी जब स्व से और सर्व से सन्तुष्ट होते हैं तो सेवा का, सहयोग का उमंग-उत्साह स्वतः होता है। कह करके कराना नहीं पड़ता, सन्तुष्टता सहज ही उमंग-उल्हास में लाती है। सेवाधारी का विशेष यही लक्ष्य हो कि सन्तुष्ट रहना है और करना है।

**Be a jewel of contentment, always remain content and make everyone content.**

Any soul who has the experience of all attainments would always be content. The sign of being happy would always be visible on their face. When servers are content with themselves and service, there is automatically zeal and enthusiasm for service and co-operation. Then you don't have to say anything or have it said by anyone else, because contentment easily brings about zeal and enthusiasm. The special aim of servers should be to remain content and make others content.